पाठ्यक्रम निर्माण समिति की बैठक का कार्यवृत्त

आज दिनांक 03 सितम्बर, 2026 (गुरूवार) को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलसचिव कार्यालय के पत्रांक 861/प्रशासन (शोध)/पाठ्यक्रम निर्माण समिति/2026 दिनांक 02 सितम्बर, 2026 के क्रम में पत्रकारिता विभाग में संस्कृत पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम निर्माण समिति की बैठक ऑफलाईन/ऑनलाईन आयोजित हुयी जिसमें निम्नलिखित महानुभावों ने प्रतिभाग किया :–

क्र.सं.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1	प्रो. लक्ष्मीनारायण जोशी	संकायाध्यक्ष–आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय उ.स.वि.वि., हरिद्वार।	
2	प्रो. सुखनन्दन सिंह	देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार।	**ऑनलाईन उपस्थित**
3	प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी	आचार्य एवं संकायाध्यक्ष–पत्रकारिता गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।	**ऑनलाईन उपस्थित**
4	डॉ. रूपेश शर्मा	अतिथि शिक्षक–पत्रकारिता उ0सं0वि0वि0, हरिद्वार।	
5	डॉ. प्रविन्द्र कुमार	अतिथि शिक्षक–पत्रकारिता उ0सं0वि0वि0, हरिद्वार।	
6	डॉ. उमेश कुमार शुक्ल	प्रभारी विभागाध्यक्ष–पत्रकारिता उ.स.वि.वि., हरिद्वार।	

समिति द्वारा विषय से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों पर गहन विचार–विमर्श के उपरान्त पत्रकारिता विभाग में संस्कृत पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विभिन्न पत्रों के संलग्न पाठ्यक्रम तैयार किये गये, जिस पर उपस्थित समस्त सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

विषयः–संस्कृत पत्रकारिता

शिक्षण माध्यमः– संस्कृत एवं हिंदी

सेमेस्टर	प्रश्नपत्र कोड	प्रश्नपत्र शीर्षक	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
1	DSCC(PGDSJ)-01	संस्कृत भाषा एवं पत्रकारिता	04	22
	DSCC(PGDSJ)-02	भारत में पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास	04	
	DSE(PGDSJ)-01	संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास	04	
	DSE(PGDSJ)-02	संचार एवं जनसंपर्क	04	
	IAPC(PGDSJ)-01	परियोजना कार्य	06	
2	DSCC(PGDSJ)-03	न्यू मीडिया एवं संस्कृत पत्रकारिता	04	22
	DSCC(PGDSJ)-04	विज्ञापन	04	
	DSE(PGDSJ)-03	प्रेस कानून और सामान्य अध्ययन	04	
	DSE(PGDSJ)-04	संस्कृत पत्रकारिता का व्यावहारिक प्रशिक्षण	04	
	IAPC(PGDSJ)-02	प्रशिक्षण	06	

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –I)

प्रश्न पत्र – संस्कृत भाषा एवं पत्रकारिता

कोड : DSCC(PGDSJ)-01

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	संस्कृत भाषा एवं पत्रकारिता पाठ्यविषय	पूर्णांक 75 अंक
1	संस्कृत भाषा का स्वरूप संस्कृत की उत्पत्ति एवं विकास वैदिक एवं लौकिक संस्कृत आधुनिक संदर्भ में संस्कृत पत्रकारिता पत्रकारिता में संस्कृत की उपयोगिता	15
2	समाचारः अर्थ, परिभाषा, सोत्र, समाचार के तत्व। संस्कृत में समाचार संरचना, संवाददाता सम्मेलन	15
3	पत्रकारिता में भाषा प्रयोग, सरल एवं संप्रेषणीय भाषा, समाचार लेखन शैली, शीर्षक निर्माण अनुवाद की मूल विधियां	15
4	साक्षात्कार लेखन, समाचार लेखन, संपादकीय लेखन फीचर लेखन	15
5	संस्कृत भाषा का सामान्य अध्ययन, प्रूफ रीडिंग, भाषा शुद्धि, वर्तनी सुधार, शैलीगत संपादन	15

पाठ्य सामग्रीः–

1– प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिल देव द्विवेदी।
2– समाचार एवं फीचर लेखन, डॉ. संजीव भनावत, पब्लिशर संचार अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर।
3– संस्कृत समाचार पत्र–पत्रिकाएँ एवं शोध जर्नल।
4– संस्कृतपत्रकारिता (इतिवृत्तम् अधुनातनं स्वरूपं च) डॉ. बलदेवानंदसागरः संस्कृत भारती नवदेहली।
5– समाचार एवं फीचर लेखन, डॉ. संजीव भनावत, पब्लिशर संचार अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर।
6– पत्रकारिता के मूल तत्व, प्रो० आशाराम डंगवाल, प्रकाश बुक डिपो, बरेली।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –I)

प्रश्न पत्र – भारत में पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास

कोडः DSCC(PGDSJ)-02

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	भारत में पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	भारत में पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास स्वतंत्रता पूर्व भारत में जनमाध्यमों की स्थिति स्वतंत्रता से पहले और बाद में पत्रकारिता का इतिहास उत्तराखंड की पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास भारत में पारम्परिक जनमाध्यम	15
2	स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात पत्रकारिता का स्वरूप, स्वतंत्रता पूर्व की विशेषताएं, स्वतंत्रता के बाद परिवर्तन स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारिता का योगदान स्वतंत्रता पूर्व समाचार पत्रों का संघर्ष	15
3	राजा राम मोहन राय की भूमिका भारतेंदु हरिश्चंद्र,महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं गांधी युग की पत्रकारिता, मदन मोहन मालवीय का योगदान, गणेश शंकर विद्यार्थी की भूमिका, आपातकाल एवं बाजारवाद का दौर	15
4	संस्कृत एवं हिंदी पत्रकारिता में स्वामी श्रद्धानन्द का योगदान हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास स्वतंत्रता पूर्व राष्ट्र निर्माण में पत्रकारिता वर्तमान दौर संस्कृत पत्रकारिता उत्तराखंड में संस्कृत पत्रकारिता की स्थिति	15
5	पत्रकारिता की उभरती विधाएं, आर्थिक, नागरिक पत्रकारिता आध्यात्मिक, ग्रामीण, सकारात्मक, विकास पत्रकारिता, मोबाईल पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया पत्रकारिता	15

पाठ्य सामग्री

1–भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे नटराजन, प्रकाशन विभाग।
2–पत्रकारिता का वृहद् इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन।
3–हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, वेद प्रताप वैदिक।
4–साहित्यिक पत्रकारिता, डॉ. राममोहन पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5–हिन्दी पत्रकारिता और स्वामी श्रद्धानंद डॉ. सुभाष भास्कर
6–भारतीय पत्रकारिता नींव के पत्थर, डॉ. मंगला अनुजा
7–राष्ट्रीय जागरण और हिंदी पत्रकारिता, डॉ. मीरा रानी बल
8– आध्यात्मिक पत्रकारिता, प्रो. सुखनंदन

प्रवीण कुमार

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –I)

प्रश्न पत्र– संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास

कोडः DSE(PGDSJ)-01

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास एवं विकास पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास संस्कृत पत्रकारिता का प्रारंभिक विकास संस्कृत पत्रकारिता का आधुनिक स्वरूप संस्कृत पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियाँ संस्कृत पत्रकारिता के विकास में मुद्रण माध्यम की भूमिका	15
2	संस्कृत के प्रमुख समाचार पत्र प्रथम संस्कृत साप्ताहिक समाचार पत्र संस्कृत दैनिक समाचार पत्र प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं की विशेषताएँ संस्कृत समाचार पत्रों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान	15
3	प्रमुख संस्कृत पत्रकार एवं संपादक, प्रमुख संस्कृत पत्रकारों का परिचय, संस्कृत पत्रकारों का योगदान प्रमुख संपादकों की भूमिका आधुनिक संस्कृत पत्रकार	15
4	उत्तराखंड में संस्कृत पत्रकारिता उत्तराखंड के प्रमुख संस्कृत पत्रकार उत्तराखंड की प्रमुख संस्कृत पत्र–पत्रिकाएँ उत्तराखंड में संस्कृत पत्रकारिता की विशेषताएँ संस्कृत पत्रकारिता का सांस्कृतिक प्रभाव	15
5	हरिद्वार कुंभ में संस्कृत पत्रकारिता, धार्मिक आयोजनों में संस्कृत पत्रकारिता, आदि पत्रकार के रूप में नारद मुनि संस्कृत पत्रकारिता में परंपरा से आधुनिकता की यात्रा आधुनिक युग में संस्कृत पत्रकारिता की संभावनाएँ	15

पाठ्य सामग्री

1– संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास, डॉ. राम गोपाल मिश्र, विवेक प्रकाशन माडन टाउन नई दिल्ली
2– संस्कृतपत्रकारिता (इतिवृत्तम् अधुनातनं स्वरूपं च) डॉ. बलदेवानंदसागरः संस्कृत भारती नवदेहली।
3– आदि पत्रकार नारद एवं उनकी पत्रकारिता, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4– संस्कृत समाचार पत्र–पत्रिकाएँ एवं शोध जर्नल।
5– स्मारिका (हरिद्वार कुंभ) प्रेस क्लब हरिद्वार

प्रवेन्द्र कुमार

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –I)

प्रश्न पत्र – संचार एवं जनसंपर्क

कोडः DSE(PGDSJ)-02

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	संचार और जनसंपर्क पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	संचार के सिद्धांत संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया संचार के प्रमुख मॉडल संचार के प्रकार संचार की बाधाएँ एवं समाधान	15
2	जनसंचार माध्यम और संस्कृत मुद्रित माध्यम एवं संस्कृत इलेक्ट्रॉनिक माध्यम एवं संस्कृत डिजिटल माध्यम एवं संस्कृत सामाजिक माध्यम एवं संस्कृत	15
3	जनसंपर्क अर्थ, विकास एवं महत्व जनसंपर्क अधिकारीः कार्य, योग्यता, उत्तरदायित्व, चुनौतिया जनसंपर्क के कानूनी एवं नैतिक पहलू	15
4	जनसंपर्क के उपकरण गृह पत्रिका (हाउस जर्नल) ब्रोशर, न्यूज लेटर, विज्ञप्ति, प्रेस सम्मेलन (प्रेस कांफ्रेंस) पैंफलेट, आदि। जनसम्पर्क के विविध आयाम–विपणन (मार्केटिंग) लॉबीइंग, प्रचार, प्रोपेगंडा, छवि निर्माण, छदम छवि निर्माण, मार्केटिंग रट्रेटजी, इवेंट मैंनेलमेंट आदि।	15
5	डिजिटल मंचों पर संस्कृत का प्रयोग, यूट्यूब के माध्यम से संस्कृत का प्रचार–प्रसार, मीडिया के माध्यम से संस्कृत शिक्षण, संस्कृत का मीडिया प्रभाव, समाज पर संस्कृत मीडिया का प्रभाव	15

पाठ्य सामग्रीः–

1–संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2–संचार क्रांति, नारायण मेनन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
3–मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म इन इंडिया, एलाइड पब्लिशिंग, दिल्ली।
4–संचार के मूल सिद्धान्त, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5– भारत में जनसंपर्क, बलदेव राज गुप्त।
6–संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. ओ.पी. सिंह, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7–ब्रॉडकास्टिंग टेक्नोलॉजी, डॉ. एच.ओ. श्रीवास्तव।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –I)

प्रश्न पत्र – परियोजना कार्य

कोडः IAPC(PGDSJ)-01

	परियोजना कार्य	पूर्णांक	क्रेडिट
	पाठ्यक्रम	100	06
	शोध प्रोजेक्ट / लघुशोध यह प्रोजेक्ट प्रिंट मीडिया पर केंद्रित होगा। इसमें 40 पेज का किसी भी विषय पर प्रोजक्ट वर्क करना होगा।		

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –II)

प्रश्न पत्र – यू मीडिया एवं संस्कृत पत्रकारिता

कोडः DSCC(PGDSJ)-03

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	न्यू मीडिया एवं संस्कृत पत्रकारिता पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	कंप्यूटर परिचय हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर कंप्यूटर के क्षेत्र में संस्कृत की उपयोगिता संस्कृत टाइपिंग एवं यूनिकोड इंटरनेट का प्रयोग	15
2	डिजिटल संस्कृत पत्रकारिता, संस्कृत वेब पोर्टल, संस्कृत ई–पेपर ऑनलाइन संस्कृत समाचार, संस्कृत ब्लॉग लेखन एवं प्रकाशन	15
3	न्यू मीडिया की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएं, पारंपरिक मीडिया एवं न्यू मीडिया का अंतर, न्यू मीडिया का विकास एवं प्रभाव, संस्कृत पत्रकारिता में न्यू मीडिया का महत्व	15
4	ब्लॉग, वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि प्लेटफॉर्म का उपयोग, वीडियो, ऑडियो एवं ग्राफिक्स कंटेंट निर्माण, मोबाइल जर्नलिज्म, एडिटिंग टूल्स एनीमेशन एवं दृश्य–श्रव्य सामग्री संस्कृत में सोशल मीडिया पोस्ट तैयार करना,	15
5	साइबर नैतिकता, कानून डेटा सुरक्षा एवं संरक्षण डिजिटल गोपनीयता, फेक न्यूज, डिजिटल अधिकार एवं उत्तरदायित्व साइबर अपराध एवं पत्रकारिता की नैतिक चुनौतियाँ	15

पाठ्य सामग्रीः–

1–साइबर मीडिया जर्नलिज्म : इमर्जिंग टेकिनक्स, जगदीश चतुर्वेदी, ऑथर प्रेस।
2–साइबर मीडिया एण्ड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, कुमुद कुंडू मंगलम पब्लिकेशन दिल्ली।
3–इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं साइबर पत्रकारिता, राकेश कुमार, नटराज प्रकाशन दिल्ली।
4–इंटरनेट जर्नलिज्म इन इंडिया, ओम गुप्ता कनिश्का पब्लिकेशन।
5–भारत में रेडियो और टीवी का विकास, प्रकाशन विभाग।
6–टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, मुस्तफा जैदी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
7–विडियो प्रोडक्शन, वासुकि बेलावडी, ऑक्सफोर्ड प्रेस, नई दिल्ली।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –II)

प्रश्न पत्र – विज्ञापन

कोडः DSCC(PGDSJ)-04

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	विज्ञापन पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	विज्ञापन की परिभाषा, स्वरूप एवं उद्देश्य, विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल), विज्ञापन के सिद्धांत एवं संप्रेषण प्रक्रिया, संस्कृत पत्रकारिता में विज्ञापन का महत्व।	15
2	संस्कृत में विज्ञापन लेखन संस्कृत भाषा में विज्ञापन की शैली, आकर्षक शीर्षक एवं स्लोगन निर्माण, रचनात्मक लेखन तकनीक, संस्कृत में मुद्रित विज्ञापनों का प्रारूप एवं उदाहरण।	15
3	समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टीवी एवं डिजिटल माध्यमों में विज्ञापन की भूमिका, विज्ञापन ऐजेंसी, संस्कृत पत्रकारिता में विज्ञापन की संभावनाएं एवं चुनौतियां, विज्ञापन और पत्रकारिता के संबंध।	15
4	डिजिटल विज्ञापन एवं संस्कृत पत्रकारिता सोशल मीडिया विज्ञापन, ऑनलाइन मार्केटिंग के मूल तत्व, संस्कृत में डिजिटल कंटेंट निर्माण, वीडियो एवं ग्राफिक विज्ञापन, ब्रांडिंग एवं प्रचार–रणनीतियाँ।	15
5	विज्ञापन की नैतिकता एवं केस स्टडी विज्ञापन की आचार संहिता, भ्रामक विज्ञापन, सामाजिक उत्तरदायित्व, उपभोक्ता संरक्षण, प्रमुख विज्ञापन अभियानों का अध्ययन एवं विश्लेषण	15

पाठ्य सामग्रीः–

1– हिंदी विज्ञापनों की भाषा, आशा पांडेय,
2 विज्ञापन कला, एकेश्वर हटवाल,
3– विज्ञापन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
4–एडवरटाइजिंग मैनेजमेंट, अक्कर, मेयर एंड बर्ट,
5–एडवरटाइजिंग मैनेजमेंट, जे. एन. जठवानी और श्रुति जैन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –II)

प्रश्न पत्र – प्रेस कानून और सामान्य अध्ययन

कोडः DSE(PGDSJ)-03

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	प्रेस कानून और सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	प्रेस कानून का संक्षिप्त परिचय, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट), प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण कानून, मानहानि एवं कानूनी प्रावधान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में संस्कृत पत्रकारिता	15
2	भारतीय संविधान का सामान्य परिचय, अनुच्छेद 19(1)(क) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व अनुच्छेद 19(2), कॉपीराइट कानून एवं समाचार–सामग्री का उपयोग चुनाव आयोगः संरचना एवं कार्य संस्कृत पत्रकारिता की नैतिकता	15
3	प्रेस आयोग एवं संस्कृत पत्रकारिता, प्रेस आयोग की संरचना, कार्य एवं उद्देश्य, सूचना अधिकार अधिनियम–2005 प्रचार भारती कानून पेटेंट एक्ट–2005, एनईपी–20202	15
4	पत्रकारिता की आचार–संहिता एवं नैतिक मूल्य न्यायालय की अवमानना एवं पत्रकारिता संस्कृत पत्रकार के अधिकार एवं कर्तव्य प्रेस की स्वतंत्रता एवं पत्रकारिता का उत्तरदायित्व	15
5	केस स्टडी एवं विश्लेषण संस्कृत पत्रकारिता से जुड़े प्रमुख मीडिया विवाद, नैतिक समस्याएं, महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय, समसामयिक मामलों का विश्लेषण।	15

पाठ्य सामग्रीः–

1–प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत
2–द लॉ ऑफ द प्रेस इन इंडिया, दुर्गादास बसु
3–मीडिया लॉ एण्ड एथिक्स, एम. नीलामलार, पी.एच.आई. इण्डिया, नई दिल्ली।
6–चौथे स्तंभ की चुनौतियाँ, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
5 हमारा संविधान, सुभाष कश्यप, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली।
6–हमारी संसद, सुभाष कश्यप, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, दिल्ली।
7–भारत का संविधान, डी.डी. बसु, लेक्सिस नेक्सिस, नई दिल्ली।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –II)

प्रश्न पत्र – संस्कृत पत्रकारिता का व्यावहारिक प्रशिक्षण

कोडः DSE(PGDSJ)-04

क्रेडिट–4

पूर्णांक–100 (सैद्धांतिक 75, आंतरिक मूल्यांकन 25)

इकाई	संस्कृत पत्रकारिता का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	पूर्णांक 75
1	संस्कृत में रिपोर्टिंग अभ्यास फील्ड विजिट के माध्यम से समाचार संकलन विभिन्न कार्यक्रमों का कवरेज, साक्षात्कार की तकनीक तथा संस्कृत में रिपोर्ट तैयार करने का अभ्यास।	15
2	संस्कृत में संपादन अभ्यास समाचार संपादन की प्रक्रिया, पेज डिजाइन के मूल तत्व, प्रभावी हेडलाइन लेखन तथा प्रूफ रीडिंग के व्यावहारिक पक्ष।	15
3	संस्कृत में न्यूज पोर्टल का निर्माण एवं संचालन, संस्कृत में ई–पत्रिका, वेबिनार एवं लाइव कार्यक्रमों, ऑनलाइन कार्यक्रमों का संचालन, संस्कृत में वेबकास्ट, पॉडकास्ट एवं ऑडियो कंटेंट निर्माण।	15
4	रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता संस्कृत में रेडियो बुलेटिन तैयार करना, टीवी समाचार प्रस्तुति, स्क्रिप्ट लेखन, तथा एंकरिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण।	15
5	संस्कृत में प्रोजेक्ट कार्य प्रोजेक्ट विषय का चयन, डेटा संग्रह की विधियां, रिपोर्ट लेखन की प्रक्रिया, तथा प्रस्तुति कौशल का विकास।	15

पाठ्य सामग्रीः–

1– समाचार एवं फीचर लेखन, डॉ. संजीव भनावत, पब्लिशर संचार अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर।
2– एडवांस्ड जर्नलिज्म, आदर्श कुमार, हर आनंद पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3– प्रोफेशनल जर्नलिज्म, एमवी कामथ, विकास पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
4– पत्रकारिता के मूल तत्व, प्रो० आशाराम डांगवाल, प्रकाश बुक डिपो, बरेली।
5– भारत में रेडियो और टीवी का विकास, प्रकाशन विभाग।
6– विडियो प्रोडक्शन, बारुकि बेलावडी, ऑक्साफोर्ड प्रेरा, नई दिल्ली।

उत्तराखंड–संस्कृत–विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 (NEP 2020) पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026–27 से प्रभावी)

पी. जी. डिप्लोमा

वर्ष – प्रथम (सेमेस्टर –II)

प्रश्न पत्र – प्रशिक्षण

कोडः IAPC(PGDSJ)-02

	प्रशिक्षण	पूर्णांक	क्रेडिट
	इसमें एक महीने का प्रिंट मीडिया हाउस में व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों को दिया जाएगा	100	06